पाठ्यक्रम

इतिहास पेपर - 1

यूनिट-ए - प्राचीन भारत:

1. प्राचीन भारत का पुनर्निर्माण: साहित्यिक और पुरातात्विक स्रोत।

2. भारत का पूर्व और आद्य इतिहास

(a) पुरापाषाण से नवपाषाण-ताम्रपाषाण संक्रमण - प्रमुख स्थल, उपकरण और संस्कृति।

(b) सरस्वती-सिंधु नदी - घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) - उत्पत्ति और विस्तार, प्रमुख स्थल और निपटान पैटर्न, व्यापार और शिल्प, धार्मिक प्रथाएं, बाद के हड़प्पा चरण का पतन और महत्व।

3. वैदिक युग- वैदिक वांग्मय, ऋग्वेदिक काल से बाद के वैदिक काल में परिवर्तन; राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन; धर्म, अनुष्ठान और दर्शन। वैदिक युग का महत्व।

4. राज्य गठन और महाजनपदों का उदय: गणराज्य और राजतंत्र; शहरी केंद्रों का उदय; आर्थिक विकास- शिल्प, संघ, धन और व्यापार; जैन धर्म, बौद्ध धर्म और आजीवक संप्रदायों का उदय; मगध का उदय। सिकंदर का आक्रमण और भारत पर उसका प्रभाव।

5. मौर्य साम्राज्य- मौर्य साम्राज्य की स्थापना, चंद्रगुप्त, बिंदुसार और अशोक की राजनीतिक उपलब्धियाँ; अशोक और उनका धम्म, अशोक के शिलालेख; राजनीति, प्रशासन और अर्थव्यवस्था; कला और वास्तुकला।

6. मौर्योत्तर काल: शुंग और कांव्य; बाहरी दुनिया से संपर्क-इंडो-ग्रीक, शक, कुषाण, पश्चिमी क्षत्रप; शहरी केंद्रों का विकास, व्यापार और अर्थव्यवस्था, धार्मिक संप्रदायों का विकास: वैष्णव, शैव, महायान; कला, वास्तुकला और साहित्य।

7. दक्कन और दक्षिण भारत में प्रारंभिक राज्य और समाज: महापाषाण काल, सातवाहन, संगम युग के तमिल राज्य; प्रशासन, अर्थव्यवस्था, संगम साहित्य और संस्कृति; कला और वास्तुकला।

8. शाही गुप्त- राजनीतिक इतिहास, राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था, व्यापार और वाणिज्य, साहित्य और कला।

9. गुप्तोत्तर काल में अर्थव्यवस्था- व्यापार और वाणिज्य, बैंकिंग और मुद्रा।

10. हर्षवर्धन- विजय, राजनीति, धर्म, कला और साहित्य।

11. क्षेत्रीय राज्यों का उदय- चालुक्य, पल्लव, चोल, राष्ट्रकूट, प्रतिहार और पाल।

12. भारत का बाहरी दुनिया से संपर्क- पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और पूर्वी एशिया।

13. पूर्व-मध्यकालीन भारत (700 ई. से 1200 ई.)- समाज और अर्थव्यवस्था, सामंतवाद और सामाजिक-राजनीतिक जीवन पर इसका प्रभाव, क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचान और क्षेत्रीय राजनीतिक शक्तियों का विकास। इस अवधि के दौरान दर्शन और धर्म का विकास।

14. प्राचीन भारत में विविध कला, साहित्य और संस्कृति का विकास- वास्तुकला, मूर्तिकला, संगीत, शास्त्रीय भाषाओं का साहित्य, शिक्षा, दर्शन, विज्ञान और तकनीक का विकास।

यूनिट-बी - मध्यकालीन भारतीय इतिहास

1. मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत: पुरातत्व और साहित्यिक।

2. दिल्ली सल्तनत की स्थापना और सुदृढ़ीकरण 1206 से 1290 ई.

3. खिलजी और तुगलक काल के दौरान सल्तनत का क्षेत्रीय विस्तार

4. प्रांतीय राजवंशों विगयानगर, बहमनी और जौनपुर का उदय- राजनीति और सांस्कृतिक योगदान

5. सैय्यद और लोदी; सल्तनत का विघटन। सल्तनत की राजनीति

6. सल्तनत काल (13वीं शताब्दी से 15वीं शताब्दी के अंत तक) के दौरान समाज, संस्कृति और अर्थव्यवस्था- (क) ग्रामीण समाज की संरचना, शासक वर्ग, शहरवासी, महिलाएं, धार्मिक वर्ग, सल्तनत के तहत जाति और गुलामी, भक्ति आंदोलन, सूफी आंदोलन (ख) फारसी साहित्य, उत्तर भारत की क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य, सल्तनत वास्तुकला और प्रांतीय रूप, संगीत और चित्रकला का विकास, एक समग्र संस्कृति का विकास, मध्यकालीन भारत में सांस्कृतिक संश्लेषण। (ग) अर्थव्यवस्था: कृषि उत्पादन, शहरी अर्थव्यवस्था और गैर-कृषि उत्पादन का उदय, व्यापार और वाणिज्य। सल्तनत काल के दौरान प्रौद्योगिकी और शिल्प।

7. मुगल साम्राज्य, पहला चरण: बाबर, हुमायूँ, सूर साम्राज्य: शेरशाह का प्रशासन।

8. पुर्तगाली औपनिवेशिक उद्यम।

9. प्रादेशिक विस्तार अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ और भारतीय शक्तियों का प्रतिरोध।

10. 18वीं शताब्दी में औरंगजेब और मुगल साम्राज्य का पतन तथा उभरती क्षेत्रीय शक्तियाँ।

11. सहयोग और संघर्ष की अवधि 1556-1707।

12. मुगलों की नीतियाँ- दक्कन, धार्मिक, राजपूत और उत्तर-पश्चिम सीमांत नीतियाँ।

13. प्रशासनिक व्यवस्था- केंद्रीय, प्रांतीय और राजस्व प्रशासन, मनसबदारी और जागीरदारी व्यवस्था।

14. कला और संस्कृतियाँ- वास्तुकला, चित्रकला, संगीत और साहित्य

15. आर्थिक जीवन- कृषि, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य, बैंकिंग और मुद्रा प्रणाली।

16. 16. मराठों का उदय- शिवाजी- विजय, नागरिक और सैन्य प्रशासन, चौथ और सरदेशमुखी की प्रकृति, हिंदू पदपतशाही की अवधारणा।

17. पेशवाओं के अधीन मराठा शक्ति का विस्तार-मराठा संघ, पेशवाओं के अधीन नागरिक और सैन्य प्रशासन, पानीपत की तीसरी लड़ाई-1761।

18. बाद के मध्यकालीन भारत में समाज और संस्कृति

a) समाज की संरचना, भक्ति आंदोलन और सूफी आंदोलन।

b) फारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं की साहित्यिक परंपरा। मुगल और सूर वास्तुकला, वास्तुकला के क्षेत्रीय रूप। मुगल काल के दौरान संगीत और चित्रकारी

c) अर्थव्यवस्था: कृषि उत्पादन, शहरी अर्थव्यवस्था और गैर-कृषि उत्पादन का उदय, व्यापार और वाणिज्य, प्रौद्योगिकी और शिल्प, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक

यूनिट-सी - इतिहास का दर्शन और इतिहासलेखन

(A) इतिहास का दर्शन

इतिहास का विश्लेषणात्मक और सट्टा दर्शन। इतिहास का विश्लेषणात्मक दर्शन: ऐतिहासिक साक्ष्य की प्रकृति, अनुमान और तथ्य; इतिहास के प्रमाण और स्रोत: साहित्यिक- प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक और पुरातात्विक स्रोत।ऐतिहासिक व्याख्या। सामान्य-कानून मॉडल; ऐतिहासिक वस्तुनिष्ठता; कारण। आदर्शवादी परंपरा: डिल्थी-क्रोस कॉलिंगवुड उत्तर आधुनिक 'इतिहास का अंत' - उत्तर आधुनिक चुनौती। इतिहास का सट्टा दर्शन। इतिहास के विभिन्न सट्टा दार्शनिकों का संक्षिप्त सर्वेक्षण - विको, हर्डर, हेगेल, मार्क्स, स्पेंगलर, टॉयनबी और फुकुयामा।भारतीय इतिहासकार - बरनी, अबुल फजल, आर.सी. मजूमदार, जे.एन.सरकार, डी.डी.कोसंबी और के.एम. अशरफ।

(B) इतिहासलेखन

इतिहासलेखन की विभिन्न परंपराओं का संक्षिप्त सर्वेक्षण: भारतीय (प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक); चीनी (कन्फ्यूशियस), ग्रीको-रोमन (हेरेडोटस), जूदेव-ईसाई, इस्लामी इतिहासकार (इब्न खार्दम), रांके और वैज्ञानिक इतिहास, मार्क्सवादी, औपनिवेशिक, राष्ट्रवादी, कैम्ब्रिज, सबाल्टर्न और उत्तर आधुनिक